“मेरी लाडली”

बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ
अभियान के अन्तर्गत
मण्डी जिला प्रशासन की पहल

द्वारा:

उपायुक्त, मण्डी,
हिमाचल प्रदेश

मेरी लाडली:

मण्डी जिला के लिंगानुपात में सुधार लाने की दिशा में जिला प्रशासन मण्डी विशेष प्रयास कर रहा है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मण्डी जिला में लिंगानुपात 916 है। जिला के सन्धोल, बल्द्वाड़ा व लडभड़ोल जैसे क्षेत्रों में तो यह बहुत ही कम है।

उद्देश्य:

हमारे समाज में बेटी का जन्म होना आम तौर पर नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है। यही कारण है कि समाज में बेटी को आज भी उसका उचित स्थान नहीं मिल पाया है। "मेरी लाडली" अभियान बेटी की पैदाइश के बारे में समाज की भ्रांतियों को दूर करते हुए समाज में एक सकारात्मक उर्जा पैदा करने का प्रयास है। **यह प्रयास "बेटी बचाओ" से "सेलिब्रेट गर्ल चाईल्ड" तक की उत्क्रांति है**। इस सम्पूर्ण अभियान का नारा "बेटी आई रौनक लाई" (Celebrating Girl Child) है। इस प्रयास का उद्देश्य **बेटी बचाओ अभियान को एक सामाजिक आन्दोलन बनाना है** जिससे कि समाज की मानसिकता एवं लोगों के व्यवहार में बदलाव लाया जा सके। इस प्रयास में स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास एवं परियोजना विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग एवं मण्डी साक्षरता समिति शामिल हैं। जिला रैडक्रास सोसायटी, मण्डी इस अभियान की संयोजक है।

अभियान के घटक:

"मेरी लाडली" अभियान के अर्न्तगत तीन मुख्य बिन्दुओं पर कार्य किया जा रहा है:

1. बेटी के जन्म पर सकारात्मक भाव पैदा करना।
2. आम जनता में जागरूकता अभियान चलाना।
3. लिंग चयन के कानूनों का कड़ाई से पालन करना।

बेटी के जन्म पर सकारात्मक भाव पैदा करना:

बेटी के जन्म पर समाज में उभरने वाले नकारात्मक भावों को परिवर्तित कर उन्हें सकारात्मक उर्जा में लाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। बेटी के जन्म पर खुशियां मनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके लिए जिला प्रशासन ने अपने स्तर पर पहल की है।

अभियान के तहत परिवार में बेटी के जन्म पर उपायुक्त के हस्ताक्षर से **"मेरी लाडली"**के संदेश का बधाई कार्ड एवं उपहार प्रदान किए जाते हैं। प्रशासनिक अधिकारी बेटी के जन्म पर उनके परिवारों के बीच स्वयं पहुंच कर यह उपहार प्रदान करने का प्रयास करते हैं। हिमाचल प्रदेश में बेटे के जन्म पर सगे–सम्बन्धियों एवं ग्रामीणों को प्रितीभोज पर आमंत्रित किया जाता है। जिला में बेटी पैदा होने पर भी इस प्रकार का आयोजन करने पर उपायुक्त मण्डी या अन्य प्रशासनिक अधिकारी बधाई देने स्वयं परिवार के बीच जाते हैं ताकि क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित हो।

जागरूकता अभियान:

प्रत्येक पंचायत में आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय महिला मण्डलों की एक टीम बनाई गई है जिन्हें घटते लिंगानुपात के विभिन्न पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह महिलाओं के दल घर–घर जाकर लोगों को बेटी बचाओ अभियान के बारे में जागरूक करते हैं, इस हेतु बनाए गए पत्रकों को महिलाओं के बीच पढ़ते हैं एवं हर घर पर विशेष रूप से बनाया गया "मेरी लाडली" का स्टीकर चिपकाते हैं। घर पहुंच कर बेटी के जन्म पर बधाई देते हैं। कुछ महिला मण्डलों ने इसके लिए स्वयं ही स्थानीय भाषा में गीत तैयार किए हैं जिन्हें गाते–बजाते वे गांवों में घर–घर जाते हैं। ये दल 70 हजार घरों में पहुंच चुके हैं।

बेटी बचाने हेतु कानून का कड़ाई से लागू करना:

उप मण्डलाधिकारी, तहसीलदार एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से पी0एन0डी0टी0 एक्ट (PNDT ACT) की कड़ाई से पालना हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। हर पंचायत में गठित महिलाओं के दल सतर्कता समितियों का कार्य करते हैं एवं अपने क्षेत्र में लिंग चयन के प्रयासों पर नजर रखते हैं।

सोशल मीडिया के माध्यम से अभियानः

लिंग चयन के प्रयास आधुनिक तकनिकी जानने वाले लोगों में अधिक पाये जाते हैं। इसीलिए लिंग चयन के विरोध में सोशल मीडिया में भी विशेष अभियान छेड़ा गया है जिस हेतु फेसबुक पर "Meri Laadli" नाम से एक सोशल मीडिया ग्रुप चलाया जा रहा है (www.facebook.com/groups/merilaadli) इसमें अब तक 12,000 से भी अधिक लोग जुड़ चुके हैं जो ग्रुप में "बेटी बचाओ" के संदर्भ में कविताएं, उक्तियां, बेटी की सैल्फी व वीडियो तथा ग्राफिक्स इत्यादि डाल कर अपने विचार प्रकट करते हैं। "Meri Laadli"के नाम से एक व्हट्स एप्प (Whatsapp group) भी चलाया जा रहा है।

बेटी पढ़ाओ

हिमाचल प्रदेश में दसवीं कक्षा तक शिक्षा निःशुल्क है। उसके उपरान्त कई बच्चे विशेषतः लड़कियां शिक्षा अधूरी छोड़ देती हैं। जिला प्रशासन द्वारा जन सहयोग से ऐसी 26 लड़कियों को उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। इस प्रयास को आगे बढ़ाने हेतु विशेष रूप से मण्डी "शिक्षा उत्थान समिति" उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित की गई है। यह समिति जन सहयोग से गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करते हुए उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है।

वर्तमान स्थितिः

जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महिला दलों ने 70,000 से अधिक घरों में दस्तक दी है। बेटी के जन्म पर बधाई कार्ड एवं उपहार दिए जा रहे हैं। सभी सरकारी कार्यालयों जैसे कि पंचायत घर, पटवारखाना, महाविद्यालयों इत्यादि जगहों पर जागरूकता हेतु पोस्टर लगाए जा रहे हैं। मेरी लाडली अभियान के अन्तर्गत भारी संख्या में लोगों द्वारा बधाई कार्ड, गुड़िया, प्रोटीन पैक इत्यादि इस अभियान को दान स्वरूप प्रदान किए जा रहे हैं। इस अभियान को प्रत्येक वर्ग के लोगों का व्यापक सहयोग मिल रहा है और प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं सोशल मीडिया पर मेरी लाडली ग्रुप तथा अभियान की सराहना कर चुके हैं।

1

2

3

4

5

6

7

8

मौजूद थे।

'मेरी लाडली' कार्यक्रम के लिए भेंट की 200 गुड़ियां

जागरण संवाददाता, मंडी : जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे 'मेरी लाडली कार्यक्रम को विभिन्न संस्थाओं का सहयोग मिलना भी आरंभ हो गया है। इस कार्यक्रम से आम जनता का जुड़ाव बढ़ रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को अतिरिक्त उपायुक्त ऋग्वेद ठाकुर के माध्यम से विजय गुप्त ऑफ इस्टीट्यूट के अध्यक्ष गौरव मारवाह ने इस कार्यक्रम के लिए 200 गुड़िया उपलब्ध करवाई ताकि बेटी के जन्म पर यह परिजनों को भेंट स्वरूप प्रदान की जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त संदीप कदम द्वारा हाल ही में धर्मपुर उपमंडल के संथोल से किया गया है। 'मेरी लाडली कार्यक्रम के तहत क्षेत्र की प्रसूता महिला से संपर्क कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है तथा उनका पंजीकरण समीप के स्वास्थ्य केंद्र में करवाया जा रहा है। जिला प्रशासन की पहल पर बेटी के जन्म पर अब बधाई कार्ड तथा एक गुड़िया भी उन्हें भेंट

मंडी में गुड़िया भेंट करते गौरव मारवाह।

की जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम से लिंग अनुपात के अंतर में कमी आएगी। उन्होंने आम जनता से इस कार्यक्रम से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर जिला रेडक्रोस सोसायटी के सचिव ओपी भाटिया भी उपस्थित थे।

9

बेटी के जन्म पर धाम, 'मेरी लाडली' ने बदला लोगों का नजरिया

10

घर में बिटिया होने पर मनाया जश्न

मंडी। सामाजिक संतुलन के लिए बेटियों को बचाने के लिए चली हर स्तर पर मुहिम का असर मंडी जिले में देखने को मिल रहा है। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर लोग बेटियों के जन्म पर खुशियां मनाने लगे हैं। जिला मंडी में प्रशासन की ओर से 'मेरी लाडली' अभियान शुरू किया गया। उपायुक्त मंडी संदीप कदम एवं जिला रेडक्रास सोसायटी ने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 11 जुलाई को जिले के सबसे दूरस्थ क्षेत्र संधोल से इस कार्यक्रम को शुरू किया था। 'मेरी लाडली' कार्यक्रम के तहत बेटी के पैदा होते ही रेडक्रास के कर्मचारी जाकर परिवार को बधाइयां दे रहे हैं।

रविवार को मंडी शहर के साथ लगते चड़याणा गांव में महिला मंडल की प्रधान कांता देवी के घर पर जश्न था। कांता देवी के घर पोती ने जन्म लिया है। उनके बेटे नवीन की पत्नी सुनीता ने नन्हीं बच्ची को जन्म दिया। बेटी के पैदा होने पर 11 दिन के बाद आयोजित होने वाले नामकरण संस्कार यानी गंतरयाला था। जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव ओपी भाटिया उपायुक्त संदीप कदम की ओर से एक गुड़िया व बधाई कार्ड लेकर उनके घर पहुंचे। इस मौके पर मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के महासचिव राजेंद्र मोहन भी मौजूद थे। जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव ओपी भाटिया ने बताया कि अब तक 21 नवजात बेटियों को बधाई कार्ड व गुड़िया भेंट की जा चुकी है। ब्यूरो

11

फोटो कैप्सनः (क्रमवार)

1. मेरी लाडली अभियान का बधाई संदेश कार्ड (greeting card)।
2. मण्डी जिला के टिक्कर गांव पहुंच कर परिजनों को बेटी के जन्म पर शुभकामनाएं देते उपायुक्त।
3. मण्डी जिला के बल्द्वाड़ा गांव पहुंच कर परिजनों को बेटी के जन्म पर शुभकामनाएं देते प्रशासनिक अधिकारी।
4. पंचायत स्तर पर गठित महिलाओं का दल ग्रामीणों को बेटी बचाओ अभियान के बारे में जागरूक करते हुए।
5. पंचायत स्तर पर गठित महिलाओं का दल ग्रामीणों को बेटी के जन्म पर बचाओ अभियान का संदेश प्रसारित करते हुए।
6. बेटी के जन्म पर पंचायत स्तर पर गठित महिलाओं का दल घर–आंगन पहुंच कर परिजनों को बधाई देते एवं स्टीकर चिपकाते हुए।
7. पोस्टर के माध्यम से बेटी बचाओ अभियान का प्रचार करते हुए पंचायत स्तर पर गठित महिलाओं का दल।
8. बेटी बचाओ अभियान के अन्तर्गत गाते–बजाते प्रचार पर निकला महिलाओं का दल।

9,10,11 बेटी बचाओ अभियान को मीडिया में मिल रहा व्यापक प्रचार।